

राजभाषा कार्यान्वयन समिति
भारती महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
वार्षिक कार्यक्रम रिपोर्ट 2025 - 2026

अध्यक्ष : प्रो सलोनी गुप्ता
संयोजिका : प्रो मंजु शर्मा
सह-संयोजक डॉ अभिषेक पुनीत

भारती महाविद्यालय सदैव इस संकल्प के साथ कार्य करता रहा है कि भारत सरकार की राजभाषा नीति का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित हो तथा हिंदी को प्रशासनिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में सम्मानजनक एवं सार्थक स्थान प्राप्त हो। अकादमिक वर्ष 2025-2026 इस दृष्टि से महाविद्यालय के लिए विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। इस वर्ष राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने हिंदी के प्रयोग, प्रचार-प्रसार और व्यावहारिक उपयोग को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न कार्यशालाओं, हिंदी पक्षोत्सव तथा राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को हिंदी के विविध रूपों तथा उसके कार्यालयीन और व्यावहारिक प्रयोग से जोड़ने का प्रयास किया गया।

महाविद्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के निर्देशन में वर्ष भर हिंदी को प्रशासनिक कार्यप्रणाली से अधिक प्रभावी रूप से जोड़ने पर बल दिया गया। समिति की संरचना में प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता अध्यक्ष, प्रो. मंजु शर्मा संयोजिका तथा डॉ. अभिषेक पुनीत सह-संयोजक के रूप में कार्यरत रहे। समिति द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार राजभाषा हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के उपयोग तथा संबंधित गतिविधियों की समीक्षा के लिए नियमित रूप से विचार-विमर्श किया गया।

वर्ष 2025-2026 में समिति की गतिविधियों का एक प्रमुख आयाम प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना रहा। कार्यालयी पत्राचार, टिप्पण, आदेश, अधिसूचनाओं तथा अन्य आंतरिक संचार में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित किया गया। पिछले राजभाषा निरीक्षण से प्राप्त सुझावों की भावना के अनुरूप हिंदी टंकण, कार्यालयीन शब्दावली तथा सरल और मानक हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता पर भी विशेष ध्यान दिया गया। महाविद्यालय की राजभाषा व्यवस्था का उद्देश्य केवल औपचारिक अनुपालन तक सीमित न रहकर हिंदी को दैनिक कार्य-संस्कृति का स्वाभाविक हिस्सा बनाना रहा।

1. प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग विषयक कार्यशाला

दिनांक 29 अप्रैल 2025 को भारती महाविद्यालय में “प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग” विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों में हिंदी भाषा के प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करना तथा कर्मचारियों और शिक्षकों को कार्यालयीन हिंदी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना था। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के राजभाषा निदेशक श्री जगदीश राम पौड़ी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता ने की।

कार्यशाला में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं प्रशासनिक इकाइयों से जुड़े प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। मुख्य अतिथि ने महाविद्यालय द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों में हिंदी पठन की संस्कृति विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने सरल, सहज और बोधगम्य हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता रेखांकित करते हुए यह स्पष्ट किया कि हिंदी का प्रयोग विषय एवं कार्यक्षेत्र के अनुसार तकनीकी, वैज्ञानिक, साहित्यिक तथा कार्यालयीन रूप ग्रहण कर सकता है। कार्यशाला ने प्रतिभागियों को प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के अधिक

प्रभावी प्रयोग के लिए व्यावहारिक दृष्टि प्रदान की। कार्यशाला के समापन पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की संयोजिका प्रो. मंजु शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

2. हिंदी पक्षोत्सव 2025–2026

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में 14 सितंबर से 28 सितंबर 2025 तक हिंदी पक्षोत्सव का गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों में हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता, सम्मान और आत्मीयता को सुदृढ़ करना तथा राजभाषा हिंदी के प्रभावी एवं व्यावहारिक प्रयोग को प्रोत्साहित करना था। पक्षोत्सव के दौरान हिंदी भाषा, साहित्य, रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा राजभाषा-जागरूकता से संबंधित अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

हिंदी पक्षोत्सव के दौरान “आओ हिंदी में हस्ताक्षर करें” अभियान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। इस अभियान के माध्यम से शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को हिंदी में हस्ताक्षर करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही संकाय सदस्यों के लिए कविता-पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों ने अपनी प्रिय तथा स्वरचित कविताओं का पाठ किया। इस गतिविधि ने महाविद्यालय के साहित्यिक वातावरण को समृद्ध किया तथा विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य से जोड़ने का कार्य किया। पक्षोत्सव का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त विवरण

1. निबंध लेखन प्रतियोगिता — विद्यार्थी वर्ग

हिंदी पक्षोत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी में सुविचारित, क्रमबद्ध और प्रभावपूर्ण लेखन की क्षमता विकसित करना था। प्रतिभागियों ने निर्धारित विषय पर अपने विचार तार्किकता, भाषा-शुद्धता और मौलिकता के साथ प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को समसामयिक एवं भाषिक विषयों पर गंभीर चिंतन का अवसर प्रदान किया। मूल्यांकन में विषयवस्तु, प्रस्तुति, भाषा तथा विचारों की स्पष्टता को विशेष महत्व दिया गया।

2. एकल अभिनय प्रतियोगिता

एकल अभिनय प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी में रचनात्मक एवं नाट्य-अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने अपने अभिनय, संवाद-अदायगी, भाव-भंगिमा और मंचीय आत्मविश्वास का प्रभावी प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य हिंदी भाषा के माध्यम से अभिव्यक्ति-कौशल और सृजनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। प्रस्तुतियों में विषय की स्पष्टता और अभिनय की स्वाभाविकता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों में मंचीय कौशल और भाषिक आत्मविश्वास को सुदृढ़ किया।

3. स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने संक्षिप्त, सारगर्भित और प्रभावशाली हिंदी अभिव्यक्तियों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता प्रस्तुत की। प्रतियोगिता का उद्देश्य कम शब्दों में स्पष्ट और प्रेरक संदेश देने की क्षमता विकसित करना था। प्रतिभागियों ने भाषा की सरलता, मौलिकता और संदेश की प्रभावशीलता पर विशेष ध्यान दिया। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों को हिंदी के व्यावहारिक एवं जनसंचारपरक स्वरूप से जोड़ने का कार्य किया। उत्कृष्ट प्रविष्टियों में भाषिक सौंदर्य और विचार की संप्रेषणीयता का संतुलित रूप दिखाई दिया।

4. स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता

स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को अपनी संवेदनाओं, विचारों और अनुभवों को हिंदी की काव्यात्मक अभिव्यक्ति में प्रस्तुत करने का अवसर दिया। प्रतिभागियों ने मौलिक रचनाओं के माध्यम से विविध विषयों को सृजनात्मक रूप प्रदान किया। प्रतियोगिता में भाव-सौंदर्य, भाषा, मौलिकता और अभिव्यक्ति की प्रभावशीलता को महत्व दिया गया। इस आयोजन से विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिरुचि और रचनात्मक लेखन क्षमता को प्रोत्साहन मिला। साथ ही हिंदी कविता के प्रति आत्मीयता और साहित्यिक संवेदनशीलता को भी सुदृढ़ किया गया।

5. आशुभाषण प्रतियोगिता

आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन विद्यार्थियों की त्वरित चिंतन-क्षमता, भाषिक प्रवाह और मौखिक अभिव्यक्ति को विकसित करने के उद्देश्य से किया गया। प्रतिभागियों ने दिए गए विषयों पर सीमित तैयारी के साथ अपने विचार हिंदी में प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों में

आत्मविश्वास, तार्किकता और प्रभावी वक्तृत्व-कौशल को बढ़ावा दिया। विषय की समझ, विचारों की क्रमबद्धता और भाषा की सहजता मूल्यांकन के प्रमुख आधार रहे। इस गतिविधि ने हिंदी में सार्वजनिक अभिव्यक्ति के प्रति विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाया।

6. पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता

पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने चित्र, रंग, प्रतीक और हिंदी भाषा के संयोजन से विषयों को प्रभावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य दृश्यात्मक रचनात्मकता के साथ हिंदी संदेशों की संप्रेषणीयता को प्रोत्साहित करना था। प्रतिभागियों ने मौलिक कल्पना और आकर्षक प्रस्तुति के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। पोस्टरों में हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता और सकारात्मक दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस प्रतियोगिता ने कला और भाषा के रचनात्मक समन्वय को सार्थक मंच प्रदान किया।

7. वाद-विवाद प्रतियोगिता

वाद-विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर पक्ष और विपक्ष में तार्किक विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला। इसका उद्देश्य हिंदी में तर्कपूर्ण, स्पष्ट और अनुशासित मौखिक अभिव्यक्ति को विकसित करना था। प्रतिभागियों ने तथ्यों, तर्कों और उदाहरणों के आधार पर अपने मत प्रभावशाली ढंग से रखे। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों की आलोचनात्मक चिंतन-क्षमता और सुनने-समझने की योग्यता को भी सुदृढ़ किया। प्रस्तुति, भाषा, तर्कशक्ति और विषय की समझ को मूल्यांकन में प्रमुखता दी गई।

8. राजभाषा प्रश्नोत्तरी

राजभाषा प्रश्नोत्तरी का आयोजन हिंदी भाषा, साहित्य और राजभाषा संबंधी सामान्य जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने ज्ञान और त्वरित उत्तर देने की क्षमता का परिचय दिया। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रयोग तथा उससे संबंधित विविध पक्षों के प्रति रुचि विकसित हुई। यह गतिविधि ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ सहभागितापूर्ण और रोचक भी रही। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को हिंदी के प्रति अधिक सजग और जिज्ञासु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

9. कविता-वाचन प्रतियोगिता — शिक्षक वर्ग

हिंदी पक्षोत्सव के अंतर्गत शिक्षक वर्ग के लिए कविता-वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संकाय सदस्यों ने हिंदी की प्रिय तथा स्वरचित कविताओं का भावपूर्ण वाचन कर साहित्यिक वातावरण को समृद्ध किया। इस आयोजन का उद्देश्य शिक्षकों की साहित्यिक अभिरुचि को मंच प्रदान करना और हिंदी के प्रति आत्मीयता को बढ़ाना था। कविता-वाचन में उच्चारण, भावाभिव्यक्ति, प्रस्तुति और काव्य-बोध विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहे। कार्यक्रम ने शिक्षक समुदाय की सक्रिय सहभागिता के माध्यम से हिंदी पक्षोत्सव को व्यापक और समावेशी स्वरूप प्रदान किया।

10. राजभाषा संबंधी प्रतियोगिताएँ — गैर-शैक्षणिक कर्मचारी वर्ग

गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए राजभाषा हिंदी से संबंधित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में सरल, मानक और व्यावहारिक हिंदी के प्रयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कर्मचारियों को हिंदी भाषा एवं कार्यालयीन अभिव्यक्ति से जुड़ी अपनी दक्षता प्रदर्शित करने का अवसर मिला। प्रतियोगिताओं ने दैनिक प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के अधिक आत्मविश्वासपूर्ण प्रयोग के लिए प्रेरित किया। इस सहभागिता से हिंदी पक्षोत्सव केवल विद्यार्थियों तक सीमित न रहकर महाविद्यालय के समस्त कार्य-समुदाय का साझा आयोजन बना।

3. “राष्ट्रभाषा हिंदी का भविष्य एवं औपचारिक हिंदी” विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

दिनांक 16 अप्रैल 2026 को सम्मेलन कक्ष, भारती महाविद्यालय में “राष्ट्रभाषा हिंदी का भविष्य एवं औपचारिक हिंदी” विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य हिंदी के संवर्धन, संरक्षण तथा उसके औपचारिक, प्रशासनिक और व्यावसायिक प्रयोग को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों तथा विभिन्न विभागों के सदस्यों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। कार्यशाला में डॉ. विपिन कुमार मुख्य अतिथि, डॉ. ज्योति मिश्रा विशिष्ट अतिथि, वरिष्ठ प्रो. पूनचंद टंडन मुख्य वक्ता तथा डॉ. स्वर्णिम दीक्षित वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) सलोनी गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए हिंदी को केवल बोलचाल अथवा साहित्य की भाषा तक सीमित न रखकर प्रशासन, शिक्षा, अनुवाद, मीडिया, तकनीक और रोजगार के क्षेत्रों में प्रभावी रूप से अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के कौशल-विकास और व्यावहारिक अनुभव के लिए हिंदी इंर्नशिप कार्यक्रम की घोषणा भी की, जिसके

माध्यम से अनुवाद, कार्यालयी हिंदी तथा सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली से विद्यार्थियों को परिचित कराने का उद्देश्य रखा गया।

मुख्य अतिथि डॉ. विपिन कुमार ने हिंदी को भारतीय संस्कृति, विचार और संवेदना की पहचान बताते हुए हिंदी के राष्ट्रीय एवं वैश्विक विस्तार की संभावनाओं पर विचार व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि डॉ. ज्योति मिश्रा ने औपचारिक हिंदी के ज्ञान को छात्र जीवन और प्रशासनिक व्यवहार की दृष्टि से आवश्यक बताया तथा राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधानों की चर्चा की। मुख्य वक्ता वरिष्ठ प्रो. पूरनचंद टंडन ने मानक हिंदी, औपचारिक एवं अनौपचारिक भाषा के अंतर तथा पत्र-लेखन में औपचारिक भाषा के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने पठन, लेखन, वाचन और श्रवण—चारों भाषा-कौशलों के निरंतर अभ्यास की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला के समापन पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की संयोजिका प्रो. मंजु शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कार्यशाला के अंतर्गत आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र विशेष रूप से उपयोगी रहा। विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा के भविष्य, रोजगार की संभावनाओं तथा औपचारिक हिंदी के प्रयोग से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका वक्ताओं ने सरल एवं संतोषजनक उत्तर दिया। इस प्रकार कार्यशाला ने हिंदी के प्रति विद्यार्थियों में सकारात्मक दृष्टि विकसित करने के साथ-साथ उन्हें हिंदी के व्यावहारिक और व्यावसायिक आयामों से परिचित कराया।

समग्र मूल्यांकन

अकादमिक वर्ष 2025–2026 में राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का समग्र अवलोकन यह दर्शाता है कि महाविद्यालय में हिंदी को प्रशासनिक कार्यों, शैक्षणिक संवाद, रचनात्मक अभिव्यक्ति और व्यावहारिक कौशल के साथ जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए। प्रशासनिक हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला ने कार्यालयीन प्रयोग को दिशा दी, हिंदी पक्षोत्सव ने विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा तथा राष्ट्रीय कार्यशाला ने हिंदी के समकालीन, औपचारिक और रोजगारपरक पक्षों पर व्यापक विमर्श का अवसर प्रदान किया।

इन आयोजनों के माध्यम से हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ यह संदेश भी सुदृढ़ हुआ कि राजभाषा हिंदी का प्रयोग केवल औपचारिक दायित्व नहीं, बल्कि प्रभावी संप्रेषण, सुगम प्रशासन और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का माध्यम है। समिति का प्रयास रहा कि हिंदी का प्रयोग सरल, मानक, सहज और व्यावहारिक रूप में हो तथा महाविद्यालय के विभिन्न विभागों और कार्यालयों में इसके प्रयोग की निरंतरता बनी रहे।

वर्ष 2025–2026 की उपलब्धियों के आधार पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने भविष्य में हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग को और सुदृढ़ करने का संकल्प व्यक्त किया है। प्रशासनिक कार्यों में हिंदी टंकण एवं कार्यालयीन शब्दावली के प्रयोग को बढ़ावा देना, हिंदी में पत्राचार एवं दस्तावेजीकरण को प्रोत्साहित करना, विद्यार्थियों को हिंदी के व्यावसायिक एवं रोजगारपरक अवसरों से जोड़ना तथा हिंदी भाषा और साहित्य से संबंधित रचनात्मक कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करना समिति की भावी प्राथमिकताओं में रहेगा।

अंततः, अकादमिक वर्ष 2025–2026 का यह वार्षिक प्रतिवेदन इस बात को रेखांकित करता है कि भारती महाविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रचार, प्रसार और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए संस्थागत स्तर पर निरंतर एवं सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। राजभाषा कार्यान्वयन समिति भविष्य में भी महाविद्यालय के प्रशासनिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक जीवन में हिंदी की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

कार्यक्रमों की चित्र-झलकियाँ

राजभाषा कार्यान्वयन समिति / भारती महाविद्यालय / अकादमिक वर्ष 2025-2026



कार्यक्रमों की चित्र-झलकियाँ





हिंदी पक्षोत्सव : शिक्षक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी सहभागिता, प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार वितरण

